BUSINESS LINE, Delhi, 19.12.2021
Page No. 6, Size:(29.04)cms X (11.68)cms.

F&O STRATEGY

Buy Gail India call option

KS BADRI NARAYANAN

The stock of Gail India (₹129.5) is ruling in crucial level. It finds an immediate support at ₹121 and a close below will trigger a fresh downfall that can take it to ₹110 or even to ₹85.

On the other hand, GAIL India finds an immediate resistance at ₹138 and another one at ₹158.

Technically, the short-term outlook for GAIL India is negative. However, we expect the stock to see a pull back after a recent fall.

F&O pointers: Open interest positions increased to 4.45 crore shares on Friday from 4.31 crore shares on December 1, even as Gail India was hovering around ₹130. However, the increase in open positions was not steady and on some days the open positions slipped. Option trading indicates that the stock will move in a range between ₹120 - ₹150.

Strategy: We advise

traders to consider buying Gail India ₹132.50-call option that closed with a premium of ₹2.25 on Friday. As the market lot is 6,100, this strategy would cost investors ₹13,725, which would be the maximum loss one can suffer. For maximum loss to happen, Gail India has to rule below ₹132.50 on expiry. The breakeven price for the strategy is ₹134.75.

Profit potentials are high if Gail India moves up sharply in the current series. We advise to exit the position with a profit of ₹13,000 or exit if loss mounts to ₹7,500.

Follow-up: We advise traders to book profit in Tata Power (recommended last week - Short ₹250-call) and bull-call spread on Tech Mahindra (recommended a fortnight ago). With respect to the calendar spread on Nifty 50 options recommended few weeks back, exit December expiry 17,000-call short and hold long 17,000-call of March series.

Note: The recommendations are based on technical analysis and F&O positions. There is a risk of loss in trading.

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 19.12.2021
Page No. 10, Size:(10.24)cms X (21.13)cms.

अयोध्या सहित देश के पांच शहरों में बनेंगे फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन

वाराणसी के खिड़किया घाट पर बना सीएनजी स्टेशन। स्रोत आइआइटी

चंद्र प्रकाश गुप्ता, कानपुर

वाराणसी में खिड़किया घाट में गंगा की धारा में विश्व का पहला सीएनजी स्टेशन तैयार करने के बाद अब अयोध्या व प्रयागराज समेत देश के पांच शहरों में जल्द ऐसे ही सीएनजी स्टेशन बनाए जाएंगे। नदियों में प्रदूषण रोकने के लिए सरकार सभी पर्यटन स्थलों पर सीएनजी आधारित मोटरबोट संचालन को अनिवार्य करने की तैयारी में है। इसलिए वहां ईंधन की जरूरत को ध्यान में रखकर जलधारा पर फ्लोटिंग सीएनजी फिलिंग स्टेशन बनाने की कार्ययोजना बनी है।

वाराणसी में खिड़किया घाट को अत्याधुनिक माडल घाट के रूप में तैयार किया गया है। इस इकोफ्रेंडली घाट पर पर्यावरण के अनुकूल सीएनजी नावों से काशी विश्वनाथ धाम तक पहुंचने की सुविधा शुरू की गई है। मोटरबोट में सीएनजी का इंतजाम करने को गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने आइआइटी कानपुर की इन्क्यूबेटेड कंपनी एक्वाफ्रेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के विज्ञानियों की मदद से फ्लोटिंग (तैरने वाला) सीएनजी फिलिंग स्टेशन तैयार कराया है। यह विश्व का पहला फिलिंग स्टेशन है, जो जलधारा पर बनाया गया है। इस स्टेशन को बनाने में इस्तेमाल की गई सेल्फ एडजस्टिंग जेट्टी (पानी पर बनाया गया प्लेटफार्म) की खासियत है कि बाढ़ के दौरान यह नियंत्रित

योजना

- वाराणसी में खिड़किया घाट पर गंगा में प्रयोग सफल होने के बाद सरकार ने की तैयारी
- नदियों में सिर्फ सीएनजी आधारित मोटरबोट चलाने की बनाई जा रही कार्ययोजना

जोखिम के साथ सीएनजी पाइपलाइन कनेक्शन को सुरक्षित करेगी।

कंपनी के निदेशक अंकित पटेल ने बताया कि आने वाले समय में सभी पर्यटन स्थलों में नदियों में डीजल व पेट्रोल आधारित मोटर बोट के स्थान पर सीएनजी बोट चलेंगी। वाराणसी से शुरुआत हो चुकी है। दूसरा सीएनजी स्टेशन वहीं रविदास घाट पर बनाने जा रहे हैं। गेल ने प्रयागराज व अयोध्या में भी इसी तरह से सीएनजी स्टेशन बनाने की योजना तैयार की है। इसके बाद कोलकाता, कोच्चि व गोवा में भी नौकाएं सीएनजी से संचालित की जाएंगी और वहां भी फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन बनेंगे।

आइआइटी बीएचयू के पूर्व छात्र हैं कंपनी के निदेशक: कंपनी के निदेशक अंकित पटेल और अचिन कुमार ने आइआइटी, बीएचयू से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक किया था। इसके बाद उन्होंने आइआइटी कानपुर के सहयोग से एन्क्यूबेटेड कंपनी एक्वाफ्रेंट इंफ्रास्ट्रक्चर बनाई थी।